>

Title: Need for strict directions to physicians to prescribe generic medicines.

डॉ. (प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): स्पीकर महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे महत्वपूर्ण विषय पर बोलने की अनुमति दी है । मैं औषधियों के बारे में बोलना चाहता हूं । मैं अपने प्रधान मंत्री जी और अपनी सरकार का हृदय से बहुत-बहुत आभार और धन्यवाद करता हूं कि **जेनरिक** दवाइयों के माध्यम से गरीबों को सस्ते दामों पर दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार ने भरसक प्रयास किए हैं । ये दवाइयां मरीजों को करीब 60 से 80 पर्सेंट तक कम दामों पर मिलती हैं और इसीलिए मरीजों का उनको आशीर्वाद रहा है । इसी की बदौलत हम दोबारा 303 सीट और एनडीए 352 सीटों पर चुनकर यहां आया है ।

मैं आपके माध्यम से डॉक्टरों से अनुरोध करता हूं कि जो दवाइयां वे प्रिस्क्राइब्ड करते हैं, सरकार द्वारा उन्हें एक डॉयरेक्टिव दिया जाए कि वे ज्यादा से ज्यादा जेनरिक दवाइयों का प्रिस्क्रिप्शन इस्तेमाल करना चाहिए । जेनरिक दवाई गरीबों के लिए आर्शीवाद होती है । मैं गुजरात के अहमदाबाद से आता हूं । भारत में खासकर अहमदाबाद मेडिसिन फार्मास्यूटिक्लस का हब रहा है, हमारे देश से जेनरिक मेडिसिन विश्व के अन्य देशों में भी जाती है । मेडिकल काउन्सिल ऑफ इंडिया ने डॉयरेक्टिव जारी किया है, मैं खुद डॉक्टर हूं । मैं पूरे देश के डॉक्टर मित्रों से आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि ज्यादा से ज्यादा जेनरिक दवाइओं का इस्तेमाल करें ।

माननीय अध्यक्ष: श्री उदय प्रताप सिंह, श्री एस.सी. उदासी, श्रीमती रेखा वर्मा और श्री नारणभाई काछड़िया को श्री डॉ. किरिट पी सोलंकी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।